विचार बिन्दु

शास्त्र पढ़कर भी लोग मूर्ख होते हैं, किन्तु जो उसके अनुसार आचरण करता है वो ही वस्तुतः विद्वान है। –अज्ञात

त्योहारी सीज़न में ऑनलाइन धोखाधड़ी से सावधान रहें

हमारे देश में घर-घर में डिजिटल क्रांति प्रवेश कर चुकी है। अब हमारे खरीद फरोख्त के लगभग सभी काम डिजिटली होने लगे हैं। बच्चे से बुजुर्ग तक के हाथों में स्मार्ट फोन आने से अब शायद ही कुछ ऐसी चीज बची हो जिसके लिए आप डिजिटल पेमेंट ना करते हो। लोग कैश रखने के बजाय डिजिटली पेमेंट देना ज्यादा पसंद करते हैं। इस समय देश में त्योहारी सीज़न चल रहा है जो नवंबर के प्रथम पखवाड़े तक चलेगा। इस दौरान लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। ऑनलाइन खरीदारी का जबरदस्त क्रेज बना हुआ है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दर्जनों प्लेटफॉर्म पर जोरदार सेल का धमाका देखने को मिल रहा है। लोग धड़ाधड़ खरीदारी में जुटे है। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपयों की खरीदारी हो रही है। लेकिन इसके साथ ही त्योहारी सीजन में खरीदारी के दौरान डिजिटल पेमेंट फ्रॉड का जोखिम भी बढ़ गया है। लोग आकर्षक लुभाने वाले ऑफर्स और डिस्काउंट्स के चलते लोग भारी खरीदारी त्योहारी सीजन में करते हैं। एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कई बार उपभोक्ता प्लेटफॉर्म की वैधता की जांच को नजरअंदाज कर देते हैं। फ्रॉड होने का खतरा भी उतना ही बढ़ गया है। डिजिटल पेमेंट्स के जरिए लोगों को धोखा देकर फंसाना भी आसान हो गया है। धोखाधड़ी के तरीके भी अब काफी आसान हो गए हैं। इस बीच साइबर जालसाज भी काफी सक्रिय हो गए हैं और साइबर अपराध को अंजाम देने के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। उपभोक्ताओं को ऑफलाइन खरीदारी की अपेक्षा ऑनलाइन खरीदारी करना अधिक पसंद आता है। ऑनलाइन खरीदारी करना फायदेमंद होता है जहां अपनी पसंद की और कम कीमत पर कई वैराइटी देखने को मिल जाती हैं। लेकिन कई बार ऑनलाइन खरीदारी करना भारी भी पड़ जाता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेल शुरू होते ही जालसाज भी सक्रीय हो जाते हैं। जो आपकी एक गलती पर आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। मीडिया में ऐसी घटनाओं के समाचार रोज ही पढ़ने को मिल रहे है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं। उस कंपनी के बारे में ऑनलाइन रिव्यू चेक करें। उस वेबसाइट के बारे में पता करें। इस सीजन में खरीदारी के दौरान सावधानी और सतर्कता बहुत जरूरी है। कहते है सावधानी हटी और दुर्घटना घटी।

भारत में डिजिटल पेमेंट की शुरुआत साल 2016 में हुई थी। इसके बाद लगातार देश इस क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाये हुए है। भारत डिजिटल पेमेंट में दुनिया में नंबर वनबन गया है और इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा मिल रहा है। तेजी से बढ़ता डिजिटल लेनदेन बढ़ती हुई खपत को दर्शाता है। यह डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के लिए भी अच्छा है। आरबीआई के डाटा के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। डाटा के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक देश भर में डिजिटल पेमेंट में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। आरबीआई का डिजिटल पेमेंट इंडेक्स मार्च 2024 के अंत में 445.5 पर था, जबकि सितंबर 2023 में 418.77 और मार्च 2023 में 395.57 था। भारत में मोबाइल पेमेंट स्मार्टफोन के आने और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के बाद बहुत आसान हो गया। विशेषकर युवाओं में मोबाइल से भुगतान बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। ग्लोबल डेटा के मुताबिक 2028 तक भारत में मोबाइल वॉलेट के माध्यम से भुगतान 531.8 ट्रिलियन रुपये के आंकड़े को पार करने का अनुमान है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने उपभोक्ताओं को डिजिटल पेमेंट के दौरान हर स्तर पर सावधानी बरतने की सलाह दी है ताकि साइबर क्राइम से बचा जा सके। डिजिटल पेमेंट करें तो आप खास तौर पर ध्यान रखें, जिनसे आपको फ्रॉड से बचने में मदद मिलेगी। आप किसी लिंक के जरिए या किसी ऐप के जरिए डिजिटल पेमेंट कर रहे हों तो यह ध्यान रखे यह पेमेंट सुरक्षित है या नहीं।

एक अधिकृत जानकारी के अनुसार देश भर में पेमेंट परफॉर्मेंस और पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे में वृद्धि की वजह से डिजिटल पेमेंट की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि सभी मापदंडों में हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों में डिजिटल पेमेंट का मूल्य बढ़कर 1,669 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि के दौरान डिजिटल पेमेंट का लेन-देन 8,659 करोड़ तक पहुंच गया। यूपीआई लेन-देन का मूल्य 138 प्रतिशत की सीएजीआर पर 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 200 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके अलावा पिछले 5 महीनों में कुल लेन-देन का मूल्य बढ़कर 101 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वित्त मंत्रालय ने बताया कि यूपीआई ने देश में डिजिटल पेमेंट में क्रांति ला दी है जहां वित्त वर्ष 2017-18 में यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 129 प्रतिशत की सीएजीआर से 13,116 करोड़ हो गया है। जैसे तेज पेमेंट सिस्टम को अपनाने में तेजी लाने के प्रयासों ने वित्तीय लेन-देन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जिससे लाखों लोगों के लिए रीयल-टाइम, सुरक्षित और सीमलेस पेमेंट संभव हुआ है। मार्केट रिसर्च फर्म डेटाम इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार इस साल त्योहारी सीजन में ऑनलाइन बिक्री 12 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 9.7 बिलियन डॉलर से 23 प्रतिशत अधिक है।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीस करोड़ से ज्यादा लोग ऑनलाइन भुगतान करते है। दुकानदार और ऑनलाइन कम्पनियाँ जहां इन त्योहारों में आकर्षक ऑफर तथा डिस्काउंट की पेशकश कर ग्राहकों को रिझाने का प्रयास करते हैं, वहीं ग्राहक भी इन आकर्षक ऑफरों का लाभ उठाकर जमकर खरीदारी करते हैं। सरकारी बैंकों सहित कई कम्पनियाँ और निर्माता उपभोक्ताओं को लुभावनी छूट से भी लाभान्वित कर रहे है। खुदरा व्यापारी ऑनलाइन सेल का विरोध कर रहे है और अपने व्यापार के चौपट होने की दुहाई दे रहे है मगर उपभोक्ता ऑनलाइन व्यापार से खुश नजर आ रहे है। उन्हें बाजार की धकमपेल से छुटकारा मिल रहा है। ऑनलाइन सेल में सामान सस्ता जरूर मिल रहा है मगर उपभोक्ता को सावधानी रखनी पड़ेगी क्योकि ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रीय हो गए है। जो भोले भले लोगों को सस्ते माल के चक्कर में फंसा कर अपना उल्लू सीधा कर रहे है। ऐसे में लोगों ने सतर्कता नहीं रखी तो सस्ते में माल खरीदना महंगा भी पड़ सकता है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 26 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र प्रातः 9:46 तक, शुक्ल योग रविवार प्रातः 5:57 तक, वणिज करण सायं 4:23 तक, चन्द्रमा आज प्रातः 9:46 से सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में। आज ज्वालामुखी योग प्रातः 9:46 तक है। भद्रा सायं 4:23 से आरम्भ होगी। महापात योग रात्रि 2:10 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:00 से 9:24 तक, चर 12:11 से 1:34 तक, लाभ-अमृत 1:34 से 4:21 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 4:37, सूर्यास्त 5:45

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी रहेगी। व्यावसायिक कार्यो पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह

नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
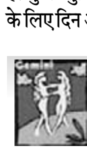
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आज घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यो को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन
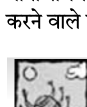
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

कुंभ

घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में आपसी मतभेद बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

मीन
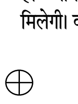
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

प्रजातंत्र में संसद, सड़क और संस्कृति

प्रो. कैलाश सोडाणी

सैकड़ों वर्षो की गुलामी और गरीबी से मुक्ति के लिए लगभग 200 वर्षों के लम्बे संघर्ष के बाद 1947 में जाकर आजाद भारत का स्वप्न साकार हुआ। आजाद भारत किस मार्ग पर चलेगा इसके लिए प्रजातंत्र के तत्कालीन आदरणीय पुरोधाओं ने भारतीय संविधान का निर्माण किया। उसी संविधान के तहत। देश को देश के मतदाताओं से सृजित संसद जैसा एक शानदार तौहफा प्राप्त हुआ।

संसद कोई इमारत नहीं है अपितु भारत के मतदाताओं की भावनाओं की सशक्त अभिव्यक्ति है। इसी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ने भारतीय प्रजातंत्र को दुनियाँ की विभिन्न शासन व्यवस्थाओं में श्रेष्ठ पायदान पर पहुँचाया है। संसद पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए अपना मत एवं विचार प्रकट करने के लिए श्रेष्ठ एवं सर्वोच्च प्लेटफार्म है। हमारी संसद में अनेक बार महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा, परिचर्चा एवं बहस बड़ी विद्वत्तापूर्ण एवं रोचक रही है। संसद की बहस को गरिमा प्रदान करने वालों में प्रमुख है – वी.के. कृष्णामेनन, पीलू मोदी, फिरोज गाँधी, राममनोहर लोहिया, मधु लिमये, सोमनाथ चटर्जी, अटल बिहार वाजपेयी, प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, सुधांशु त्रिवेदी। साथ ही सांसदों द्वारा आये दिन होने वाली नारेबाजी एवं बहिष्कार से संसद का बहुमूल्य समय बहुत खराब होता है। इस प्रकार का शोर-शराबा संसद की गरिमा एवं हमारी संस्कृति के अनुरूप नहीं है।

संसद की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी पक्ष एवं विपक्ष दोनों की है, इसके लिए सभी सांसदों से मर्यादित एवं अनुशासित आचरण अपेक्षित है। इस सम्बन्ध में लोकसभा अध्यक्ष से भी यह अपेक्षा रहती है कि वे विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त समय एवं अवसर प्रदान करें। सौभाग्य से यह काम हमारे वर्तमान लोकसभा अध्यक्ष बखूबी निभा रहे हैं। एतदर्थ विपक्षी सांसद उनके प्रति विश्वास एवं श्रद्धा का भाव रखते हैं।

अब मैं आलेख के मूल विषय पर आता हूँ कि प्रजातंत्र में संसद के साथ-साथ सड़क की राजनीति का भी अपना महत्वपूर्ण स्थान एवं वजूद है। जब विपक्ष को यह लगता है कि संसद के माध्यम से वह अपनी बात कह नहीं पा रहा है तो फिर विपक्ष धरना, प्रदर्शन, बन्द इत्यादि के माध्यम से सड़क की राजनीति प्रारम्भ करता है, जिसे हमारे देश में पर्याप्त प्रेस कवरेज़ भी मिल जाता है। अंततः विपक्ष अपनी बात मतदाताओं तक पँहुचाने में सफल भी होता है। 1972-74 में जयप्रकाश नारायण का जन आन्दोलन, 1990-91 में श्री राम जन्मभूमि के लिए लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा, 2013-14 में भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना हजारे के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन, 2023-24 में राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा आदि कुछ ऐसे उदाहरण है जो यह दर्शाते हैं कि संसद के बाहर भी अपनी बात को बहुत बेबाक तरीके से समाज के समक्ष रखा जा सकता है।

संसद और सड़क की राजनीति की श्रेष्ठता के लिए हमें हमारी गौरवशाली सनातन संस्कृति को हमेशा याद रखना होगा। भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप ही संसद एवं सड़क पर अनुशासित संवाद एवं आचरण होना चाहिये। निःसन्देह प्रजातंत्र को जीवन्त बनाये रखने के लिए धरना, प्रदर्शन, आन्दोलन सभी आवश्यक है परंतु आन्दोलन में भी हमें हमारी संस्कृति एवं मूल्यों को नहीं भूलना चाहिये। आन्दोलन का मतलब अनुशासनहीनता नहीं है। जैसे किसान आन्दोलन के समय राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध करना, राजस्थान में आरक्षण को लेकर रेलों के आवागमन को बाधित करना, दिल्ली के शाहीन बाग में सड़क पर किये धरना-प्रदर्शन से महीनों तक दिल्लीवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। आन्दोलन के नाम पर आगजनी, तोड़फोड़, बाजार बन्द, चक्का जाम आदि शुद्ध अनुशासनहीनता है। यह प्रजातंत्र के दुरुपयोग के साथ-साथ हमारे सांस्कृतिक मूल्यों की अवहलेना भी है। व्यक्ति या समूह सरकार से अपनी मांगें मनवाने के लिए आन्दोलन करने के लिए स्वतंत्र हैं परन्तु आम नागरिकों को उनके आन्दोलन से कोई असुविधा एवं कष्ट नहीं होना चाहिये। किसी भी प्रकार का आर्थिक नुकसान न तो किसी नागरिक को होना चाहिये और न ही सरकार को। यह देखना भी आंदोलनकारियों का कर्तव्य है। भारतीय प्रजातंत्र की मजबूती एवं प्रखरता के लिए संसद और सड़क दोनों जगह भारतीय संस्कृति के अनुरूप मर्यादित एवं अनुशासित आचरण रखना होगा।

–प्रो. कैलाश सोडाणी,
कुलपति वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

प्रयाग महाकुंभ-2025 : सांस्कृतिक महत्व

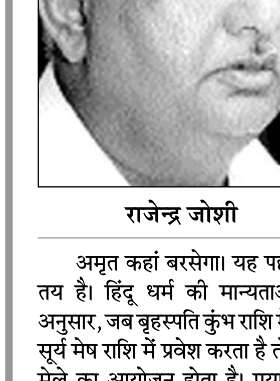

राजेन्द्र जोशी

अमृत कहां बरसेगा। यह पहले से तय है। हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है तो कुंभ मेले का आयोजन होता है। प्रयाग का कुंभ मेला सभी मेलों में अधिक महत्व रखता है। कुंभ का अर्थ है- कलश, ज्योतिष शास्त्र में कुंभ राशि का भी यही चिह्न है। कुंभ मेले की पौराणिक मान्यता अमृत मंथन से जुड़ी हुई है। इस बार त्रिवेणी संगम प्रयाग में 45 दिन का अमृत काल होगा। महाकुंभ 2025 प्रयागराज में 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित हो रहा है। यह शब्द ऋग्वेद और अन्य प्राचीन हिन्दू ग्रन्थों में भी पाया जाता है। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है अमरत्व का मेला है।

इन दिनो महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन हेतु इंडिया थिंक काउंसिल भारत के विभिन्न स्थानों पर कुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहा है। कुंभ कान्क्लेव का आयोजन छोटी काशी में गोलमेज सम्मेलन का आयोजन 3 अक्टूबर 2024 को किया गया। इस कॉन्क्लेव में महाकुंभ मेले के संदर्भ में सार्थक चर्चा हुई। कुंभ मेले के सांस्कृतिक संदर्भ विषय पर इस तरह की यह पहल सराहनीय है। ऐसी चर्चा के आयोजन के लिए इंडिया थिंक एवं प्रोफेसर मनोज दीक्षित जी का आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय एवं राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में एक सार्थक चर्चा का आयोजन किया।

वैसे भी बीकानेर और संगम का एक महत्वपूर्ण रिश्ता जुड़ता है, प्रयाग में तीन नदियों का संगम है, जहां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम को त्रिवेणी संगम कहा जाता है। और इतिहास यह कहता है कि थार के मरुस्थल बीकानेर में कभी सरस्वती नदी का प्रवाह हुआ करता था। हम अभी सरस्वती नदी की गोद में रह रहे हैं। इसका मतलब हम भी कल्पवास का हिस्सा है। महाकुंभ मेला भव्य- दिव्य और नव्य थीम पर आयोजित हो रहा है। 400 मिलियन लोगों की संभावना 40 करोड लोग इस महाकुंभ में शामिल होंगे।

संगम की पवित्र धरती प्रयाग का महाकुंभ 13 जनवरी 2025 पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी 2025 महाशिवरात्रि के स्नान पर्व तक संचालित होगा। कुल 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में देश-विदेश से हजारों-हजार श्रंदालु प्रयागराज पहुँच रहे है। महाकुंभ की तैयारियां तेज हो गई हैं, 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ को पॉलीथीन फ्री और ठीन कुंभ के तौर पर पेश करने की तैयारी हो रही है। इसके लिए जहां महाकुंभ में पॉलिथीन को प्रतिबंधित किए जाने की तैयारी है. वहीं तीन लाख पौधे भी लगाए जा रहे हैं।

इन पौधों को सरकार संरक्षित भी करेगी। महाकुंभ के आयोजन हेतु 5154 करोड़ की 327 परियोजनाओं पर काम चल रहा है।इसके साथ ही 1264 करोड़ की 75 विभागीय परियोजनाओं पर भी काम प्रारंभ हो चुका है। महाकुंभ से जुड़ी सभी स्थाई और अस्थाई परियोजनाओं को अक्टूबर 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए अनुभवी अधिकारियों की टीम दिन-रात काम में जुटी है।

इन प्रोजेक्ट्स पर चल रहा काम :- 2019 में आयोजित दिव्य और भव्य कुंभ से भी 2025 को बेहतर आयोजित करने की तैयारी चल रही है। महाकुंभ के बेहतर आयोजन के लिए प्रयागराज मेला प्राधिकरण द्वारा इसका क्षेत्रफल जहां बढ़ाया जा रहा है, वहीं मेले में अतिरिक्त सुविधाएं भी मुहैया कराए जाने की तैयारी है। मेले का क्षेत्रफल बढ़ाकर 4000 हेक्टेयर कर दिया गया है. कुल 25 सेक्टर में मेला बसाया जाएगा, जबकि 1900 हेक्टेयर में छह पार्किंग बनाई जा रही है, जिसमें 5 लाख से ज्यादा वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। महाकुंभ मेले में 25000 लोगों के लिए पब्लिक अकोमोडेशन, मोटरबोट, चेंजिंग रूम, पूजा स्थल और फ्लोटिंग जेटी बनाई जाएगी। मेले में इस बार 10 डिजिटल खोया पाया केंद्र भी बनेंगे, पहली बार यमुना नदी के वीआईपी घाट पर पक्के घाट का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही दशाश्वमेध घाट पर भी पक्का घाट बन रहा है। यातायात की समस्या को देखते हुए तेलियरगंज से संगम क्षेत्र तक 13 किलोमीटर का रिवर फ्रंट भी बनाया जा रहा है। वर्ष भर घाटों पर जल का प्रवाह बना रहे इसके लिए ड्रेजिंग भी कराई गई। महाकुंभ से जुड़ी अन्य परियोजनाओं में सड़कों और चौराहों का चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट विस्तार के साथ ही अनेक फ्लाई ओवर बनाए जा रहे है।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अक्षय वट, पाताल पुरी, सरस्वती कूप, हनुमान मंदिर, श्रृंगवेरपुर धाम और भारद्वाज कॉरिडोर का भी निर्माण कराया जा रहा है। अक्टूबर - दिसंबर 2024 तक मेले में सभी संस्थाओं को जमीन और सुविधाओं का आवंटन कर दिया जाएगा। इस बार खास तौर पर ऑनलाइन सॉफ्टवेयर के जरिए जमीनों और सुविधाओं के आवंटन की तैयारी की गई है।

श्रद्धालुओं के लिए खास व्यवस्था:- श्रद्धालु और पर्यटक सुगमता से महाकुंभ मेले में आकर सुरक्षित वापस जा सके इसके लिए तैयारी की जा रही हैं। एयरपोर्ट पर जहां एक नया टर्मिनल बनाया जा रहा है, वहीं एयरपोर्ट से लेकर महाकुंभ मेले तक पहुंचने के लिए बनाई जा रही सड़क को विश्व स्तरीय स्मार्ट रोड बनाया जा रहा है। इस सड़क के दोनों ओर ग्रीन बेल्ट और कुंभ कलश बनाए जाएंगे। इसके अलावा सड़क किनारे आकर्षक पेंटिंग की जाएगी ताकि एयरपोर्ट से महाकुंभ मेले के अंदर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुखद अनुभूति का एहसास कराया जा सके। प्रयागराज के अंतर्गत आने वाले नौ रेलवे स्टेशनों पर भी बुनियादी सुविधाओं में इजाफा किया जा रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग

महाकुंभ मेले की सुरक्षा को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं सीसीटीवी कैमरे से लेकर ड्रोन कैमरे और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया जाएगा। 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ में इस बार भी तीन शाही स्नान होंगे। पहला स्नान पर्व 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा का होगा। जबकि 14/15 जनवरी को मकर संक्रांति का पहला शाही स्नान होगा। 29 जनवरी मौनी अमावस्या का दूसरा शाही स्नान एवं 3 फरवरी बसंत पंचमी को तीसरा और आखिरी शाही स्नान प्रयागराज में होगा। जिसके बाद 5 फरवरी को अचला सप्तमी का स्नान पर्व होगा। जबकि 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ कल्पवास का समापन होगा। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ मेले का समापन हो जाएगा।

प्रयागराज (पूर्व में इलाहाबाद) जिले में गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती नदियों के संगम पर अस्थायी तम्बू शहर के प्रस्तावित 25 सेक्टरों में सड़क परियोजनाओं, अस्थायी पुलों, अस्पतालों, बाजारों आदि की एक श्रृंखला विकसित की जाएगी। श्रद्धालु हिंदू प्रयागराज को सबसे पवित्र शहरों में से एक मानते हैं, जहां संगम पर स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

संभवतः, दुनिया का सबसे बड़ा 4,000 हेक्टेयर का टेंट सिटी उत्तर प्रदेश में बनाया जा रहा है, जहां दुनिया का सबसे बड़ा जनसमूह, प्रयागराज महाकुंभ 2025 में अनुमानित 400 मिलियन तीर्थयात्रियों की मेजबानी की जाएगी।

जनवरी-फरवरी 2025 में महाकुंभ के पावन 45 दिनों के दौरान 400 मिलियन लोगों का एकत्रीकरण, जो अमेरिका और ब्रिटेन की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होगा, उत्तर प्रदेश की वर्तमान जनसंख्या, जो 250 मिलियन है, का 1.6 गुना होगा।

उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 67,000 स्ट्रीट लाइटों से जगमगाने वाले इस टेंट शहर में पर्यटकों की सेवा के लिए 2,000 टेंट और 25,000 सार्वजनिक आवास होंगे

स्वच्छता का माडल होगा महाकुंभ

स्वच्छता के माडल के रूप में दुनिया के सामने प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए 1.45 लाख शौचालय बनाए जाएंगे।

भव्य-दिव्य और नव्य थीम

पिछले कुंभ 2019 का थीम दिव्य व भव्य कुंभ था। इस बार 2025 के महाकुंभ में एक शब्द और जोड़ दिया गया है। भव्य-दिव्य और नव्य महाकुंभ इस बार का थीम होगा। सरकार की ओर से इस पर स्वीकृति भी दे दी गई है।

सरकार महाकुंभ-2025 को भव्य, दिव्य और नव्य स्वरूप दे रही है। कुंभ नगर को जिले का दर्जा मिलेगा और यहां जिला स्तरीय अधिकारी तैनात होंगे। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए कुंभ क्षेत्र का विस्तार किया गया है। महाकुंभ में 40 करोड़ से अधिक लोगों के आने के अनुमान के मुताबिक ही बसावट में बदलाव किया गया है।

कुंभ मेला क्षेत्र का विस्तार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में होगा। पिछला कुंभ 3200 हेक्टेयर में बसा था। इस बार 25 सेक्टर में महाकुंभ बसाया जाएगा। सेक्टर का क्षेत्रफल भी बढ़ेगा। एक सेक्टर से दूसरे सेक्टर जाने के लिए गंगा पर 30 पांटून पुल बनेंगे। पिछली बार 22 पांटून पुल बने थे, जबकि इस बार 30 पांटून पुलों का निर्माण होगा।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद्-साहित्यकार

खाटूश्यामजी में मिठाई की दुकानों का निरीक्षण, 360 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई

बेसन के लड्डू, बेसन की चक्की दूषित मिली, सोयाबिन तेल खराब मिला

खाटूश्यामजी/सीकर, (निसं)। दीपावली त्योहार पर आमजन को शुद्ध व ताजा खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा व सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह के निर्देशन में शुक्रवार को चिकित्सा विभाग की ओर से खाटूश्यामजी में कार्रवाई की गई। सीएमएचओ डॉ. निर्मल सिंह ने बताया कि खाटूश्यामजी में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुये 360 किलो दूषित मिठाई की नष्ट की साथ ही बूंदी के लड्डू व सोयाबीन के नमूने लिए।

एफएसओ मदनलाल बाजिया, महमूद अली व नंदराम मीणा ने अंतिमा स्वीट स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान 250 किलो बेसन के लड्डू, 110 किलो बेसन की चक्की दूषित पाई गई तथा 25 लीटर सोयाबिन तेल खराब पाया गया, जिनको मौके पर ही नष्ट करवाया गया तथा बेसन बूंदी के लड्डू, वनस्पती घी के नमूने लिए गए। इस दौरान श्याम प्रेमी शुद्ध मिष्ठान भंडार के यहां से केशर मावा पेड़ा, शेखावत मिष्ठान भंडार के यहां से मावा पेड़ा, श्री श्याम फूड प्लाजा के यहां बेसन बूंदी लड्डू के सैम्पल लिए गए। सभी सैम्पलों को जांच के लिए जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला जयपुर भेजा गया। खाद्य कारोबारियों को दीपावली पर्व पर आवश्यकता से अधिक मिठाई नहीं बनाने तथा फूड कलर का उपयोग एफएसएसएआई के निर्धारित मानकों के अनुसार ही करने के लिए पाबंद किया गया। टीम में अतिरिक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी नन्दराम मीणा, श्रवण कुमार, दिनेश कुमार, राजेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, कुलदीप सिंह, सुमेर सिंह व अरविंद फोगाट शामिल रहे।

■ दूषित मीठाइयों को मौके पर नष्ट कराया, "शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान" के तहत कार्रवाई की

रामगढ़ शेखावाटी तहसील में 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये : जिला रसद अधिकारी सीकर नरेश शर्मा ने बताया कि जिले में अवैध एलपीजी रिफिलिंग एवं दुरूपयोग को रोकने के लिए शुक्रवार को जिला रसद विभाग की 6 प्रवर्तन निरीक्षकों की टीम ने रामगढ़ शेखावाटी तहसील में कार्रवाई के दौरान 26 घरेलू गैस सिलेण्डर जप्त किये गए जो घरेलू गैस सिलेण्डरों का होटल, मिठाई बनाने आदि में व्यवसायिक दुरूपयोग किया जा रहा था। उन्होंने बताया कि रसद विभाग की यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए युवा आगे आएं : राज्यपाल बागड़े

अचरोल, (निसं)। अपेक्स यूनिवर्सिटी के द्वितीय दीक्षांत समारोह का आयोजन अचरोल कैंपस में हुआ, जहां प्रशासनिक भवन से दीक्षांत परेड प्रारंभ होकर दीक्षांत स्थल तक पहुंची। समारोह का प्रारंभ राष्ट्रगान के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, अध्यक्षता कर रहे युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. रवि जूनीवाल और विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण, कुलपति पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं निहालचंदए भूतपूर्व सांसद लोकसभा क्षेत्र श्री गंगानगर ने बेस्ट स्टूडेंटस को डॉ. सागरमल जूनिवाल मेमोरियल अवार्ड सहित विभिन्न संकायों में 15 टॉपर्स को गोल्ड मैडल प्रदान किए गए। आयुर्वेद, योग के क्षेत्र में नए अनुसंधान को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने के लिए अपने असाधारण और अविस्मरणीय योगदान के लिए आचार्य बालकृष्ण एवं सबसे कम उम्र में लोकसभा सांसद बने और पाँच बार सांसद रह चुके भूतपूर्व सांसद और केंद्रीय मंत्री निहालचंद को समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए डीण् लिटण् की मानद उपाधि प्रदान की गई ।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि विद्या का दान सर्वश्रेष्ठ दान है। विद्या वही है जो जीवन की समस्याओं का सटीक हल खोजने में सहायता करे। मुझे प्रसन्नता है कि अपेक्स विश्वविद्यालय इसी दिशा में काम कर रहा है। आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को आगे लाकर शिक्षा देने का आपका प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि भारत ने विश्व को बहुत से नवाचार और आविष्कार दिए हैं। आप इस महान परम्परा को आगे बढ़ाएं। ज्ञान का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं है, ज्ञान आपको आगे बढाता है, आप देश को आगे ले जाएं। मैं आपको विभिन्न स्तरों पर उपाधि प्राप्त करने के लिए बहुत.बहुत बधाई देता हूं।

विशिष्ट अतिथि आचार्य बालकृष्ण ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। युनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ रवि जूनीवाल ने अपने दीक्षांत भाषण में डिग्री पाने वाले सभी प्रतिभाओं को बधाई दी। इस दीक्षांत समारोह में यूजीए पीजी एवं रिसर्च स्टूडेंट्स को डिग्रियां वितरित की गई।